लघु-मध्यम उद्योगों में तीन हजार करोड़ का निवेश होगा

नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। जिले में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) के क्षेत्र में गति ओ रही है। साल 2026 में जिले के एमएसएमई के क्षेत्र में करीब तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। 73 नई इकाइयां शुरू होंगी। इससे करीब 15 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। प्रशासनिक स्तर पर जमीन आवंटन की प्रक्रिया का रास्ता भी साफ हो गया है।

जिला उद्योग अधिकारी के अनुसार जिले में एमएसएमई सेक्टर लगातार विस्तार की ओर बढ़ रहा है। इससे न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि आसपास के जिलों और प्रदेश के लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग और सर्विस सेक्टर से जुड़ी इकाइयों के आने की संभावना है। जिलेभर में प्राधिकरण और संबंधित विभागों की ओर से इस साल अपना उद्योग शुरू करने के लिए 73 इकाइयों को जमीन देने की राह खोल दी है। इनसे जिले में करीब तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिल सकेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी साल ही यह इकाइयां शुरू भी हो जाएंगी। इन्होंने जिले में हुए यूपी ट्रेड शो के तहत एमएसएमई मंत्रालय के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किया था।

देश और दुनिया के उद्यमी जिले में एमएसएमई सेक्टर में तेजी से निवेश की ओर बढ़ रहे हैं। नोएडा का बेहतर बुनियादी ढांचा और सड़कों की व्यवस्था है। इसके अलावा हाल में शुरू होने वाला नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। -**पंकज निर्वाण**, जिला उपायुक्त, उद्योग, गौतमबुद्ध नगर

जिले में विश्वस्तीय सुविधाओं को देख निवेश बढ़ रहा: जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों का मानना है कि नोएडा में प्रदेश सरकार ने बेहतर बुनियादी ढांचा तैयार किया है। दिल्ली, गुरूग्राम समेत पूरे हरियाणा और गाजियाबाद जैसे शहर समेत आस पास के छोटे-बड़े शहरों की बेहतर सड़कों की व्यवस्था निवेशकों को भा रही है। इसी वजह से जिल निवेशकों की पहली पसंद बन रही है।

एमएसएमई में सबसे ज्यादा मिलता है रोजगार : एमएसएमई सेक्टर में शुरू होने वाली इकाईयों में लोगों को सबसे ज्यादा रोजगार मिलता है। इसके साथ ही सरकार को भी सर्वाधिक राजस्व भी एमएसएमई सेक्टर से ही मिलता है। ऐसे में केंद्र व प्रदेश सरकार का एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान रहता है। इसी वजह से जिले में औद्योगिक इकाईयों की संख्या बढ़ती जा रही है।